विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग

झारखण्ड

सत्र - 2018-2021 से प्रभावी

पाठ्यक्रम

स्नातक संस्कृत प्रतिष्ठा

रुचि आधारित साख पद्धति

Choice Based Credit System

(CBCS)

SANSKRIT HONS
TABLE - I

COURSE CODE	TITLES OF COURSE	FULL MARKS	EXTERNAL EXAM	INTERNAL ASSESMENT	TOTAL CREDITS	THEORY	TUTORIAL
Semester I							
SAN-H-C-101	Sanskrit Vyakaran and History of Vyakaran Shastra	100	80	20	6	5	1
SAN-H-C-102	Loghusiddhant Kaumudi Evam Darshan	100	80	20	6	5	1
SAN-H-AECC-103	Eng/MIL Communication	50			2		
SAN-H-GE-104	Sanskrit Vyakaran and History of Vyakaran Shastra {For Other Than Sanskrit (Hons) Students}	100	80	20	6	5	1
		350			**20**		
Semester II							
SAN-H-C-201	Jyotish Evam Ayurved	100	80	20	6	5	1
SAN-H-C-202	Darshan	100	80	20	6	5	1
SAN-H-AECC-203	Environmental Science	50			2		
SAN-H-GE-204	Jyotish Evam Ayurved {For Other Than Sanskrit (Hons) Students}	100	80	20	6	5	1
		350			**20**		
Semester III							
SAN-H-C-301	Sanskrit Sahitya Ka Itihas	100	80	20	6	5	1
SAN-H-C-302	Gadya Evam Natya	100	80	20	6	5	1
SAN-H-C-303	Smrti Sahitya Evam Shilalekh	100	80	20	6	5	1
SAN-H-GE-304	Sanskrit Sahitya Ka Itihas	100	80	20	6	5	1
SAN-H-SEC-305	See Annexure-1 (P. 38) of Regulation and Choose one Topic among three Listed in (I)	50			2		
		450			**26**		

C = Core/ Compulsory
AECC = Ability Enhancement Compulsory Course
MIL = Modern Indian Language
DSE = Decipline Specific Elective
SEC = Skill Enhancement Course
GE = Generic Elective

COURSE CODE	TITLES OF COURSE	FULL MARKS	EXTERNAL EXAM	INTERNAL ASSESMENT	TOTAL CREDITS	THEORY	TUTORIAL
Semester IV							
SAN-H-C-401	Gadya	100	80	20	6	5	1
SAN-H-C-402	Vyakaran Evam Vyakaran Shastra Ka Itihas	100	80	20	6	5	1
SAN-H-C-403	VED	100	80	20	6	5	1
SAN-H-GE-404	Gadya Evam Darshan	100	80	20	6	5	1
SAN-H-SEC-405	See Annexure-1 (P. 38) of Regulation and Choose one Topic from the given List in (II)	50			2		
		450			**26**		
Semester V							
SAN-H-C-501	Upnishad Evam Akhayan	100	80	20	6	5	1
SAN-H-C-502	Bhasha Vigyan	100	80	20	6	5	1
SAN-H-DSE-503	Kavya	100	80	20	6	5	1
SAN-H-DSE-504	Kavyashastra	100	80	20	6	5	1
		400			**24**		
Semester VI							
SAN-H-C-601	KavyaShastra, Chhand Evam Natya	100	80	20	6	5	1
SAN-H-C-602	Gadya Evam Kavya	100	80	20	6	5	1
SAN-H-DSE-603	Natya	100	80	20	6	5	1
SAN-H-DSE-604	Shreemad Bhagwadgeeta	100	80	20	6	5	1
		400+50			**24**		

Note :- * Students may choose Optional Dissertation in place of one DSE paper (Credits 6) in 6th Semester.
* 50 Marks will be evaluated for Extention and Co-Curricular Activities.

Annexure-1

Skill Development Couses (Common for All Programmes)

For Honours Degree: (i) Third Semester: Compulsory for All Disciplines

Any one of the following three in a particular college depending upon the facility available:

1. Constitution of India and Human Rights
2. Enviroment and Public Health
3. Computer Applications and Information Techonology

(II) Fourth semester: One from the following may be chosen may be common for a faculty. (?) The courses may include the following:

1. Entrepreneurship
2. Life skills and Personality Development
3. Human Resource Development
4. Legal Aid and Awareness
5. Indian History, Culture and Diversity
6. Science and Life
7. Banking and Finance
8. Building Mathemathical Ability
9. Capital and Stock Market
10. Vocational skill Development
11. Any other subject to be decided by the Academic council.

विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग–825301 (झारखण्ड)

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) प्रथम समसत्र

Credit - 5 + 1

SAN-H-C-101

सत्र 2015–2016 से प्रभावी पाठ्यक्रम

पूर्णांक – 100

पूर्णांक – 80

खण्ड (क)

अवधि – 3 घंटे

संस्कृत व्याकरण एवं व्याकरण शास्त्र का इतिहास

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit - 5

पाठ्यक्रम

1. शब्द रूप –
   पाठ्य शब्द रूप – देव, कवि, भानु, पितृ, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, मधु, मरूत्, आत्मन्, सर्व, तद्, एतद्, यद्, इदम्, जगत्, अस्मद् तथा युष्मद्।
2. धातु रूप –
   लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्, एवं लृट् लकार में
   पाठ्य धातुरूप – पठ्, पच्, भू, कृ, अस्, अद्, हन्, हू, दिव, रुध्, क्री, चुर् तथा सेव।
3. हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद
4. संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद
5. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास चतुर्थ परिच्छेद् (पाणिनि तथा उनके पश्चातवर्ती वैयाकरण)

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

- ✶ प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। 2 x 10
- ✶ द्वितीय प्रश्न में किन्हीं दो विभक्तियों (कारकों) में पाँच शब्दों के रूप देय होंगे। दस शब्द पूछे जाएँगे। 4 x 5
- ✶ तृतीय प्रश्न में किसी एक लकार में पाँच घातुओं के रूप अपेक्षित होंगे। दस घातुएँ पूछी जाएँगी। 4 x 5
- ✶ चतुर्थ प्रश्न में किसी एक अनुच्छेद का हिन्दी से संस्कृत तथा एक अनुच्छेद का संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद। संस्कृत तथा हिन्दी दोनों के लिए दो–दो अनुच्छेद पूछे जाएँगे। 10 x 2
- ✶ पाँचवें से आठवें प्रश्न में पाणिनि तथा उनके पश्चातवर्ती वैयाकरणों से संबंधित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा।

अनुशंसित पुस्तकें –

संस्कृत में अनुवाद कैसे करें ?
उमाकान्त मिश्र शास्त्री, भारती भवन, पटना
संस्कृत व्याकरण – श्रीधर वशिष्ठ
वृहत् अनुवाद चन्द्रिका – चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
संस्कृत शास्त्रों का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय

खण्ड (ख)

आन्तरिक मूल्यांकन – 15 + 05 = 20 अंक

Credit - 1

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) प्रथम समसत्र

B.A. SANSKRIT HONS FIRST SEMESTER

Credit - 5 + 1

SAN-H-C-102 पूर्णांक – 100

पूर्णांक – 80 **खण्ड (क)** अवधि – 3 घंटे

लघुसिद्धांत कौमुदी एवं दर्शन

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit - 5

पाठ्यक्रम

1. लघु सिद्धांत कौमुदी – प्रत्याहार, संज्ञा, संधि तथा पारिभाषिक शब्द ।
2. जैन दर्शन
3. बौद्ध दर्शन

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

✶ प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। 2 x 10

✶ द्वितीय प्रश्न में चार संज्ञा सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या पूछी जाएगी। 5 x 4
छः संज्ञा सूत्र पूछे जाएँगे।

✶ तृतीय प्रश्न में संधि प्रकरण से चार सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या पूछी जाएगी। 5 x 4
छः सूत्र पूछे जाएँगे।

✶ चतुर्थ प्रश्न में सूत्र निर्देश पूर्वक किन्हीं चार की सन्धि। 5 x 4
छः सन्धियाँ पूछी जाएँगी।

✶ पांचवें से आठवें प्रश्न में जैन तथा बौद्ध दर्शन दोनों से दो–दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा।

खण्ड (ख)

आन्तरिक मूल्यांकन – 15 + 05 = 20 अंक

Credit - 1

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) प्रथम समसत्र

B.A. SANSKRIT HONS FIRST SEMESTER

Credit - 5 + 1

SAN-H-GE-104 पूर्णांक – 100

पूर्णांक – 80 **खण्ड (क)** अवधि – 3 घंटे

संस्कृत व्याकरण एवं व्याकरण शास्त्र का इतिहास

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit - 5

पाठ्यक्रम

1. शब्द रूप –
   पाठ्य शब्द रूप – देव, कवि, भानु, पितृ, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, मधु, मरूत्, आत्मन्, सर्व, तद्, एतद्, यद्, इदम्, जगत्, अस्मद् तथा युष्मद्।
2. धातु रूप –
   लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्, एवं लृट् लकार में
   पाठ्य धातुरूप – पठ्, पच्, भू, कृ, अस्, अद्, हन्, हू, दिव, रुध्, क्री, चुर् तथा सेव।
3. हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद
4. संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद
5. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास चतुर्थ परिच्छेद् (पाणिनि तथा उनके पश्चातवर्ती वैयाकरण)

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

- ✶ प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक / रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। 2 x 10
- ✶ द्वितीय प्रश्न में किन्हीं दो विभक्तियों (कारकों) में पाँच शब्दों के रूप देय होंगे। दस शब्द पूछे जाएँगे। 4 x 5
- ✶ तृतीय प्रश्न में किसी एक लकार में पाँच धातुओं के रूप अपेक्षित होंगे। दस धातुएँ पूछी जाएँगी। 4 x 5
- ✶ चतुर्थ प्रश्न में किसी एक अनुच्छेद का हिन्दी से संस्कृत तथा एक अनुच्छेद का संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद। संस्कृत तथा हिन्दी दोनों के लिए दो–दो अनुच्छेद पूछे जाएँगे। 10 x 2
- ✶ पाँचवें से आठवें प्रश्न में पाणिनि तथा उनके पश्चातवर्ती वैयाकरणों से संबंधित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा।

अनुशंसित पुस्तकें –

संस्कृत में अनुवाद कैसे करें ?
उमाकान्त मिश्र शास्त्री, भारती भवन, पटना
संस्कृत व्याकरण – श्रीधर वशिष्ठ
वृहत् अनुवाद चन्द्रिका – चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
संस्कृत शास्त्रों का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
व्याकरण शास्त्र का इतिहास – वाचस्पति गौरेला

खण्ड (ख)

आन्तरिक मूल्यांकन – 15 + 05 = 20 अंक

Credit - 1

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) द्वितीय समसत्र

B.A. SANSKRIT HONS SECOND SEMESTER

Credit - 5 + 1

SAN-H-C-201 पूर्णांक – 100

पूर्णांक – 80 **खण्ड (क)** अवधि – 3 घंटे

ज्योतिष एवं आयुर्वेद

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit - 5

पाठ्यक्रम

पाठ्य पुस्तक – 1) शीध्रबोध
पाठ्यांश – प्रथम प्रकरण
2) द्रव्यगुण–विज्ञान
पाठ्यांश – द्वितीय भाग का प्रथम अध्याय

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। 2 x 10
- द्वितीय प्रश्न में शीध्रबोध के उपर्युक्त प्रकरण से चार श्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। कुल आठ श्लोक पूछे जाएँगे। 5 x 4
- तृतीय प्रश्न में द्रव्यगुण–विज्ञान से चार ओषधियों के परिचय सहित गुण–दोष और उपयोग का वर्णन अपेक्षित होगा। कुल आठ ओषधियाँ पूछी जाएँगी। 5 x 4
- चतुर्थ प्रश्न में दोनों ग्रंथों के पूर्ण पाठ्यांश पर आधारित पाँच लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। 4 x 5
- पाँचवे से आठवें प्रश्न में उपर्युक्त दोनों ग्रंथों से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुशंसित पुस्तकें –

शीध्रबोध – ठाकुर प्रसाद कैलाशनाथ बुक सेलर, वाराणसी
द्रव्यगुण–विज्ञान – आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखम्भा भारती अकादमी, वाराणसी

खण्ड (ख)

आन्तरिक मूल्यांकन – 15 + 05 = 20 अंक

Credit - 1

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) द्वितीय समसत्र

B.A. SANSKRIT HONS SECOND SEMESTER

Credit - 5 + 1

SAN-H-C-202 पूर्णांक – 100

पूर्णांक – 80 **खण्ड (क)** अवधि – 3 घंटे

दर्शन

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit - 5

पाठ्यक्रम

1. तर्क संग्रह – 20
2. निम्न दर्शनों के सामान्य परिचय – 60
   क) चार्वाक
   ख) वेदान्त
   ग) योग
   घ) सांख्य

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। 2 x 10
- द्वितीय प्रश्न में तर्क संग्रह से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल तीन प्रश्न पूछे जाएँगे। 10 x 2
- तृतीय प्रश्न में चार्वाक या वेदान्त दर्शन से सम्बद्ध एक–एक कुल दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। दोनों दर्शनों से दो–दो प्रश्न पूछे जाएँगे। 10 x 2
- चतुर्थ प्रश्न में योग एवं सांख्य दर्शन से सम्बद्ध एक–एक कुल दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। दोनों दर्शनों से दो–दो प्रश्न पूछे जाएँगे। 10 x 2
- पाँचवे से आठवें प्रश्न में उपर्युक्त चारों दर्शनों से एक–एक प्रश्न कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न प्रष्टव्य होंगे।

अनुशंसित पुस्तकें –

भारतीय दर्शन – चटर्जी एवं दत्त
भारतीय दर्शन की रूपरेखा – प्रो० हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा

खण्ड (ख)

आन्तरिक मूल्यांकन – 15 + 05 = 20 अंक

Credit - 1

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) द्वितीय समसत्र

B.A. SANSKRIT HONS SECOND SEMESTER

Credit - 5 + 1

SAN-H-GE-204 पूर्णांक – 100

पूर्णांक – 80 **खण्ड (क)** अवधि – 3 घंटे

ज्योतिष एवं आयुर्वेद

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit - 5

पाठ्यक्रम

पाठ्य पुस्तक – 1) शीध्रबोध
पाठ्यांश – प्रथम प्रकरण
2) द्रव्यगुण–विज्ञान
पाठ्यांश – द्वितीय भाग का प्रथम अध्याय

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

* प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक / रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। 2 x 10
* द्वितीय प्रश्न में शीध्रबोध के उपर्युक्त प्रकरण से चार श्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। कुल आठ श्लोक पूछे जाएँगे। 5 x 4
* तृतीय प्रश्न में द्रव्यगुण–विज्ञान से चार ओषधियों के परिचय सहित गुण–दोष और उपयोग का वर्णन अपेक्षित होगा। कुल आठ ओषधियाँ पूछी जाएँगी। 5 x 4
* चतुर्थ प्रश्न में दोनों ग्रंथों के पूर्ण पाठ्यांश पर आधारित पाँच लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। 4 x 5
* पाँचवे से आठवें प्रश्न में उपर्युक्त दोनों ग्रंथों से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुशंसित पुस्तकें –

शीध्रबोध – ठाकुर प्रसाद कैलाशनाथ बुक सेलर, वाराणसी
द्रव्यगुण–विज्ञान – आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखम्भा भारती अकादमी, वाराणसी

खण्ड (ख)

आन्तरिक मूल्यांकन – 15 + 05 = 20 अंक

Credit - 1

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) तृतीय समसत्र

B.A. SANSKRIT HONS THIRD SEMESTER

Credit - 5 + 1

SAN-H-C-301 पूर्णांक – 100

पूर्णांक – 80 **खण्ड (क)** अवधि – 3 घंटे

संस्कृत साहित्य का इतिहास

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit - 5

पाठ्यक्रम

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास
   रामायण, महाभारत, महाकाव्य एवं गद्य काव्य

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

✶ प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक / रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। 2 x 10

✶ द्वितीय प्रश्न में कुल चार टिप्पणियाँ लिखनी हैं।
कुछ छः टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी। 5 x 4

✶ तृतीय प्रश्न में रामायण तथा महाभारत के दो प्रमुख पात्रों के चरित्र–चित्रण अपेक्षित होंगे। दोनों से दो–दो कुल चार चरित्र–चित्रण प्रष्टव्य होंगे। 10 x 2

✶ चतुर्थ प्रश्न में महाकाव्य एवं गद्य काव्य से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे। 10 x 2

✶ पाँचवे से आठवें प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुशंसित पुस्तकें –

संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय

खण्ड (ख)

आन्तरिक मूल्यांकन – 15 + 05 = 20 अंक

Credit - 1

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) तृतीय समसत्र

B.A. SANSKRIT HONS THIRD SEMESTER

Credit - 5 + 1

SAN-H-C-302 पूर्णांक – 100

पूर्णांक – 80 **खण्ड (क)** अवधि – 3 घंटे

गद्य एवं नाट्य

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit - 5

पाठ्यक्रम

1. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) – 40

2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1 से 4 अंक) – 40

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

✶ प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। 2 x 10

✶ द्वितीय प्रश्न में किरातार्जुनीयम् से दो श्लोकों की संस्कृत व्याख्या करनी है। चार श्लोक पूछे जाएँगे। 10 x 2

✶ तृतीय प्रश्न में अभिज्ञानशाकुन्तलम् से दो श्लोकों की संस्कृत व्याख्या करनी है। चार श्लोक पूछे जाएँगे। 10 x 2

✶ चतुर्थ प्रश्न में उपर्युक्त दोनों ग्रंथों से दो–दो श्लोकों कुल चार के अर्थ लिखने हैं। कुल आठ श्लोक पूछे जाएँगे। 5 X 4

✶ पाँचवे से आठवें प्रश्न में उपर्युक्त दोनों ग्रंथों से दो–दो = कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

खण्ड (ख)

आन्तरिक मूल्यांकन – 15 + 05 = 20 अंक

Credit - 1

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) तृतीय समसत्र

B.A. SANSKRIT HONS THIRD SEMESTER

Credit - 5 + 1

SAN-H-C-303 पूर्णांक – 100

पूर्णांक – 80 **खण्ड (क)** अवधि – 3 घंटे

स्मृति साहित्य एवं शिलालेख

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit - 5

पाठ्यक्रम

1. याज्ञवल्क्यस्मृति (आचार अध्याय) – 40

2. उत्कीर्ण लेख पंचकम् – 40

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

✶ प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक / रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। 2 x 10

✶ द्वितीय प्रश्न में याज्ञवल्क्यस्मृति से दो अंशों की व्याख्या करनी है। चार अंश पूछे जाएँगे। 10 x 2

✶ तृतीय प्रश्न में उत्कीर्णलेख पंचकम् से दो श्लोकों की व्याख्या करनी है। चार श्लोक पूछे जाएँगे। 10 x 2

✶ चतुर्थ प्रश्न में उपर्यक्त दोनों ग्रंथों से चार श्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। दोनों से तीन–तीन कुल छः श्लोक पूछे जाएँगे। 5 x 4

✶ पाँचवे से आठवें प्रश्न में पूर्ण पाठ्यांश पर आधारित कुल चार प्रश्न पूछे जाएँगे।

खण्ड (ख)

आन्तरिक मूल्यांकन – 15 + 05 = 20 अंक

Credit - 1

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) तृतीय समसत्र

B.A. SANSKRIT HONS THIRD SEMESTER

Credit - 5 + 1

SAN-H-GE-304 पूर्णांक – 100

पूर्णांक – 80 **खण्ड (क)** अवधि – 3 घंटे

संस्कृत साहित्य का इतिहास

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit - 5

पाठ्यक्रम

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास
   रामायण, महाभारत, महाकाव्य एवं गद्य काव्य

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

✶ प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। 2 x 10

✶ द्वितीय प्रश्न में कुल चार टिप्पणियाँ लिखनी हैं।
कुछ छः टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी। 5 x 4

✶ तृतीय प्रश्न में रामायण तथा महाभारत के दो प्रमुख पात्रों के चरित्र–चित्रण अपेक्षित होंगे। दोनों से दो–दो कुल चार चरित्र–चित्रण प्रष्टव्य होंगे। 10 x 2

✶ चतुर्थ प्रश्न में महाकाव्य एवं गद्य काव्य से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे। 10 x 2

✶ पाँचवे से आठवें प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुशंसित पुस्तकें –

संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय

खण्ड (ख)

आन्तरिक मूल्यांकन – 15 + 05 = 20 अंक

Credit - 1

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) चतुर्थ समसत्र

B.A. SANSKRIT HONS FOURTH SEMESTER

Credit - 5 + 1

SAN-H-C-401 पूर्णांक – 100

पूर्णांक – 80 **खण्ड (क)** अवधि – 3 घंटे

गद्य

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit - 5

पाठ्यक्रम

1. शिवराजविजय (प्रथम तथा द्वितीय निःश्वास) – 80
(पं० अम्बिकादत्त व्यास)

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

✶ प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। 2 x 10

✶ द्वितीय प्रश्न में शिवराजविजय के पाठ्यांश से दो अंशों की संस्कृत व्याख्या अपेक्षित होगी। चार अंश पूछे जाएँगे। 10 x 2

✶ तृतीय प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश से चार टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। छः टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी। 5 x 4

✶ चतुर्थ प्रश्न में काव्य, कवि एवं पात्रों तथा घटनाओं पर आधारित दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। चार प्रश्न पूछे जाएँगे। 10 x 2

✶ पाँचवे से आठवें प्रश्न में शिवराजविजय, इसके रचयिता तथा पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

खण्ड (ख)

आन्तरिक मूल्यांकन – 15 + 05 = 20 अंक

Credit - 1

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) चतुर्थ समसत्र

B.A. SANSKRIT HONS FOURTH SEMESTER

Credit - 5 + 1

SAN-H-C-402 पूर्णांक – 100

पूर्णांक – 80 **खण्ड (क)** अवधि – 3 घंटे

व्याकरण एवं व्याकरण शास्त्र का इतिहास

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit - 5

पाठ्यक्रम

1. लघुसिद्धांतकौमुदी (समास तथा कारक प्रकरण) – 40

2. पाणिनि के पूर्व वैयाकरण – 40

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

✶ प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक / रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। 2 x 10

✶ द्वितीय प्रश्न में समास प्रकरण से चार सूत्रों की व्याख्या अपेक्षित होगी। छः सूत्र पूछे जाएँगे। 5 X 4

✶ तृतीय प्रश्न में कारक प्रकरण से चार सूत्रों की व्याख्या करनी है। छः सूत्र पूछे जाएँगे। 5 X 4

✶ चतुर्थ प्रश्न में कारक एवं समास प्रकरण से चार प्रयोगों की सिद्धि अपेक्षित होगी। छः प्रयोग पूछे जाएँगे। 5 X 4

✶ पाँचवे से आठवें प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुशंसित पुस्तक –

संस्कृत शास्त्रों का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
व्याकरण शास्त्र का इतिहास – वाचस्पति गौरेला

खण्ड (ख)

आन्तरिक मूल्यांकन – 15 + 05 = 20 अंक

Credit - 1

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) चतुर्थ समसत्र

B.A. SANSKRIT HONS FOURTH SEMESTER

Credit - 5 + 1

SAN-H-C-403 पूर्णांक – 100

पूर्णांक – 80 **खण्ड (क)** अवधि – 3 घंटे

वेद

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit - 5

पाठ्यक्रम

1. संहिता – दि न्यू वैदिक सेलेक्शन, भाग–1
तैलंग एवं चौबे – भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी

पाठ्य –
ऋग्वेद – अग्नि 1.1, रूद्र – 11.33, वाक् X – 125, संज्ञान X – 191
शुक्ल यजुर्वेद – पुरुष X X X 11 – 16, शिवसंकल्प X X X IV – 1–6
अथर्ववेद – पृथिवी X 11.1

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। 2 x 10
- द्वितीय प्रश्न में ऋग्वेद एवं शुक्ल यजुर्वेद के निर्धारित पाठ्यांश से दो मंत्रों की व्याख्या अपेक्षित होगी। चार मंत्र पूछे जाएँगे। 10 x 2
- तृतीय प्रश्न में उक्त तीनों वेदों के पाठ्यांश से चार मंत्रों का अर्थ अपेक्षित होगा। कुल छः मंत्र पूछे जाएँगे। 5 X 4
- चतुर्थ प्रश्न में उक्त पाठ्यांश से चार टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। कुल छः टिप्पणियाँ प्रष्टव्य होंगी। 5 X 4
- पाँचवें से आठवें प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

खण्ड (ख)

आन्तरिक मूल्यांकन – 15 + 05 = 20 अंक

Credit - 1

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) चतुर्थ समसत्र

B.A. SANSKRIT HONS FOURTH SEMESTER

Credit - 5 + 1

SAN-H-GE-404 पूर्णांक – 100

पूर्णांक – 80 **खण्ड (क)** अवधि – 3 घंटे

गद्य एवं दर्शन

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit - 5

पाठ्यक्रम

1.	शिवराजविजय (प्रथम निःश्वास) (पं० अम्बिकादत्त व्यास)	–	40
2.	जैन दर्शन	–	20
3.	बौद्ध दर्शन	–	20

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

✶ प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक / रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। 2 x 10

✶ द्वितीय प्रश्न में शिवराजविजय के पाठ्यांश से दो अंशों की संस्कृत व्याख्या अपेक्षित होगी। चार अंश पूछे जाएँगे। 10 x 2

✶ तृतीय प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश से चार टिप्पाणियाँ अपेक्षित होंगी। छः टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी। 5 x 4

✶ चतुर्थ प्रश्न में काव्य, कवि एवं पात्रों तथा घटनाओं पर आधारित दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। चार प्रश्न पूछे जाएँगे। 10 x 2

✶ पाँचवे से आठवें प्रश्न में शिवराजविजय, इसके रचयिता तथा जैन दर्शन एवं बौद्ध दर्शन पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

खण्ड (ख)

आन्तरिक मूल्यांकन – 15 + 05 = 20 अंक

Credit - 1

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) पंचम समसत्र

B.A. SANSKRIT HONS FIFTH SEMESTER

Credit - 5 + 1

SAN-H-C-501 पूर्णांक – 100

पूर्णांक – 80 **खण्ड (क)** अवधि – 3 घंटे

उपनिषद् एवं आख्यान

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit - 5

पाठ्यक्रम

1. हरिश्चन्द्रोपाख्यानम्

2. कठोपनिषद् – (प्रथम अध्याय)

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

✶ प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। 2 x 10

✶ द्वितीय प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश से दो अंशों की संस्कृत व्याख्या अपेक्षित होगी। चार अंश पूछे जाएँगे। 10 x 2

✶ तृतीय प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश से चार अंशों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। छः अंश पूछे जाएँगे। 5 x 4

✶ चतुर्थ प्रश्न में उपर्युक्त दोनों ग्रंथों से चार टिप्पणियाँ लिखनी होंगी। छः टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी। 5 x 4

✶ पाँचवे से आठवें प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

खण्ड (ख)

आन्तरिक मूल्यांकन – 15 + 05 = 20 अंक

Credit - 1

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) पंचम समसत्र

B.A. SANSKRIT HONS FIFTH SEMESTER

Credit - 5 + 1

SAN-H-C-502 पूर्णांक – 100

पूर्णांक – 80 **खण्ड (क)** अवधि – 3 घंटे

भाषा विज्ञान

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit - 5

पाठ्यक्रम

1. सामान्य भाषाविज्ञान – भाषा की उत्पत्ति, भाषा की परिभाषा, भाषाओं का वर्गीकरण, वाक्य विज्ञान, रूप विज्ञान, अर्थ विज्ञान।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

- ✶ प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक / रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। 2 x 10
- ✶ द्वितीय प्रश्न में भाषा की उत्पत्ति और भाषा की परिभाषा से संबंधित दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। चार प्रश्न पूछे जाएँगे। 10 x 2
- ✶ तृतीय प्रश्न में भाषाओं का वर्गीकरण और वाक्य विज्ञान से दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। चार प्रश्न पूछे जाएँगे। 10 x 2
- ✶ चतुर्थ प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश से चार टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। छः टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी। 5 x 4
- ✶ पाँचवें से आठवें प्रश्न में पूर्ण पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। 20 x 1

अनुशंसित पुस्तकें –

भाषा विज्ञान – डॉ० भोलानाथ तिवारी
भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा

खण्ड (ख)

आन्तरिक मूल्यांकन – 15 + 05 = 20 अंक

Credit - 1

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) पंचम समसत्र

B.A. SANSKRIT HONS FIFTH SEMESTER

Credit - 5 + 1

SAN-H-DSE-503 पूर्णांक – 100

पूर्णांक – 80 **खण्ड (क)** अवधि – 3 घंटे

काव्य

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit - 5

पाठ्यक्रम

1. मेघदूत (पूर्वमेघ)

2. कुमारसम्भव (पंचम सर्ग)

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

* प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। 2 x 10

* द्वितीय प्रश्न में मेघदूत के पाठ्यांश से दो श्लोकों की संस्कृत व्याख्या अपेक्षित होगी। चार श्लोक पूछे जाएँगे। 10 x 2

* तृतीय प्रश्न में कुमारसंभवम् से दो श्लोकों की संस्कृत व्याख्या अपेक्षित होगी। चार श्लोक पूछे जाएँगे। 10 x 2

* चतुर्थ प्रश्न में उपर्युक्त दोनों काव्यों से दो–दो श्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। कुल छः श्लोक पूछे जाएँगे। 5 x 4

* पाँचवें से आठवें प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

खण्ड (ख)

आन्तरिक मूल्यांकन – 15 + 05 = 20 अंक

Credit - 1

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) पंचम समसत्र

B.A. SANSKRIT (HONS) FIFTH SEMESTER

Credit - 5 + 1

SAN-H-DSE-504 पूर्णांक – 100

पूर्णांक – 80 **खण्ड (क)** अवधि – 3 घंटे

काव्यशास्त्र

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit - 5

पाठ्यक्रम

1. काव्यदीपिका (प्रथम से चतुर्थ शिखा) – कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य – 80

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

✶ प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। 2 x 10

✶ द्वितीय प्रश्न में प्रथम एवं द्वितीय शिखा से दो कारिकाओं की व्याख्या अपेक्षित होगी। चार कारिकाएँ पूछी जाएँगी। 10 x 2

✶ तृतीय प्रश्न में तृतीय एवं चतुर्थ शिखा से दो कारिकाओं की व्याख्या अपेक्षित होगी। चार कारिकाएँ पूछी जाएँगी। 5 x 4

✶ चतुर्थ प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश पर आधारित चार टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। कुल छः टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी। 5 x 4

✶ पाँचवें से आठवें प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

खण्ड (ख)

आन्तरिक मूल्यांकन – 15 + 05 = 20 अंक

Credit - 1

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) षष्ठ समसत्र

B.A. SANSKRIT (HONS) SIXTH SEMESTER

Credit - 5 + 1

SAN-H-C-601 पूर्णांक – 100

पूर्णांक – 80 **खण्ड (क)** अवधि – 3 घंटे

काव्यशास्त्र, छन्द एवं नाट्य

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit - 5

पाठ्यक्रम

1. काव्यदीपिका – अष्टम शिखा – 30
2. छन्दोमञ्जरी – 25
   पाठ्यांश – छन्द – अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, वसंततिलका, मालिनी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, स्त्रग्धरा, हारिणी, जगति।
3. प्रतिमा नाटकम् – चतुर्थ अंक पर्यन्त – 25

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

✶ प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। 2 x 10

✶ द्वितीय प्रश्न में काव्यदीपिका से चार अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण अपेक्षित होंगे। आठ अलंकार पूछे जाएँगे। 5 x 4

✶ तृतीय प्रश्न में प्रतिमा नाटकम् से किन्हीं चार पद्यों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। छः पद्य पूछे जाएँगे। 5 x 4

✶ चतुर्थ प्रश्न में छन्दोमञ्जरी से चार छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण देय होंगे। आठ छन्द पूछे जाएँगे। 5 x4

✶ पाँचवें से आठवें प्रश्न में पूर्ण पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

खण्ड (ख)

आन्तरिक मूल्यांकन – 15 + 05 = 20 अंक

Credit - 1

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) षष्ठ समसत्र

B.A. SANSKRIT (HONS) SIXTH SEMESTER

Credit - 5 + 1

SAN-H-C-602 पूर्णांक – 100

पूर्णांक – 80 **खण्ड (क)** अवधि – 3 घंटे

गद्य एवं काव्य

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit - 5

पाठ्यक्रम

1. कादम्बरी (शुकनासोपदेश) – 40

2. शिशुपालबध – प्रथम सर्ग – 40

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

✶ प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। 2 x 10

✶ द्वितीय प्रश्न में शुकनासोपदेश से दो गद्यांशों की संस्कृत व्याख्या अपेक्षित होगी। चार गद्यांश पूछे जाएँगे। 10 x 2

✶ तृतीय प्रश्न में शिशुपालबध से दो पद्यों की संस्कृत व्याख्या अपेक्षित होगी। चार पद्य पूछे जाएँगे। 10 x 2

✶ चतुर्थ प्रश्न में उपर्युक्त दोनों ग्रंथों से सम्बद्ध दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। चार प्रश्न पूछे जाएँगे। 10 x 2

✶ पाँचवें से आठवें प्रश्न में पूर्ण पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

खण्ड (ख)

आन्तरिक मूल्यांकन – 15 + 05 = 20 अंक

Credit - 1

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) षष्ठ समसत्र

B.A. SANSKRIT (HONS) SIXTH SEMESTER

Credit - 5 + 1

SAN-H-DSE-603 पूर्णांक – 100

पूर्णांक – 80 **खण्ड (क)** अवधि – 3 घंटे

नाट्य

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit - 5

पाठ्यक्रम

1. शिखा बन्धनम् – 80

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

✶ प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। 2 x 10

✶ द्वितीय प्रश्न में दो पद्यों की संस्कृत व्याख्या अपेक्षित होगी। चार पद्य पूछे जाएँगे। 10 x 2

✶ तृतीय प्रश्न में दो टिप्पणियाँ अपेक्षित होंगी। चार टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी। 10 x 2

✶ चतुर्थ प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश से दो गद्यों एवं दो पद्यों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। तीन गद्य एवं तीन पद्य पूछे जाएँगे। 5 x 4

✶ पाँचवें से आठवें प्रश्न में पूर्ण पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुशंसित पुस्तकें –

शिखा बन्धनम् – डॉ० रामशीष पाण्डेय – प्रबोध संस्कृत प्रशकान, रांची – 80

खण्ड (ख)

आन्तरिक मूल्यांकन – 15 + 05 = 20 अंक

Credit - 1

बी०ए० संस्कृत (प्रतिष्ठा) षष्ठ समसत्र

B.A. SANSKRIT (HONS) SIXTH SEMESTER

Credit - 5 + 1

SAN-H-DSE-604 पूर्णांक – 100

पूर्णांक – 80 **खण्ड (क)** अवधि – 3 घंटे

श्रीमद्भगवद्गीता

इस पत्र में कुल 08 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।
प्रश्न संख्या 01 अनिवार्य होगा। सभी प्रश्नों के मान बराबर होंगे।

Credit - 5

पाठ्यक्रम

1. गीता – प्रथम एवं द्वितीय अध्याय – 80

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

- प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक/रिक्त स्थानों की पूर्ति से संबंधित) 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। 2 x 10

- द्वितीय प्रश्न में गीता के प्रथम अध्याय से दो श्लोकों की संस्कृत व्याख्या अपेक्षित होगी। चार श्लोक पूछे जाएँगे। 10 x 2

- तृतीय प्रश्न में गीता के द्वितीय अध्याय से दो श्लोकों की संस्कृत व्याख्या अपेक्षित होगी। चार श्लोक पूछे जाएँगे। 10 x 2

- चतुर्थ प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश पर आधारित दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। चार प्रश्न पूछे जाएँगे। 10 x 2

- पाँचवें से आठवें प्रश्न में पूर्ण पाठ्यांश पर आधारित चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

खण्ड (ख)

आन्तरिक मूल्यांकन – 15 + 05 = 20 अंक

Credit - 1